

DPN 5560

Title: कलसप्रतिस्था पूजा विधि / KALASA PRATISTHĀ
PŪJA VIDHI

Run. No. 6251

Cat. No.

Micro. No.

Subject *consecrational ritual*
प्रतिष्ठा, कलस विधि

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / *नेपालभाषा विधि, नेपाल*
newa direction

Size in cms. 23.5 x 10.5

Folios 1

Lines (in a page) 19

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

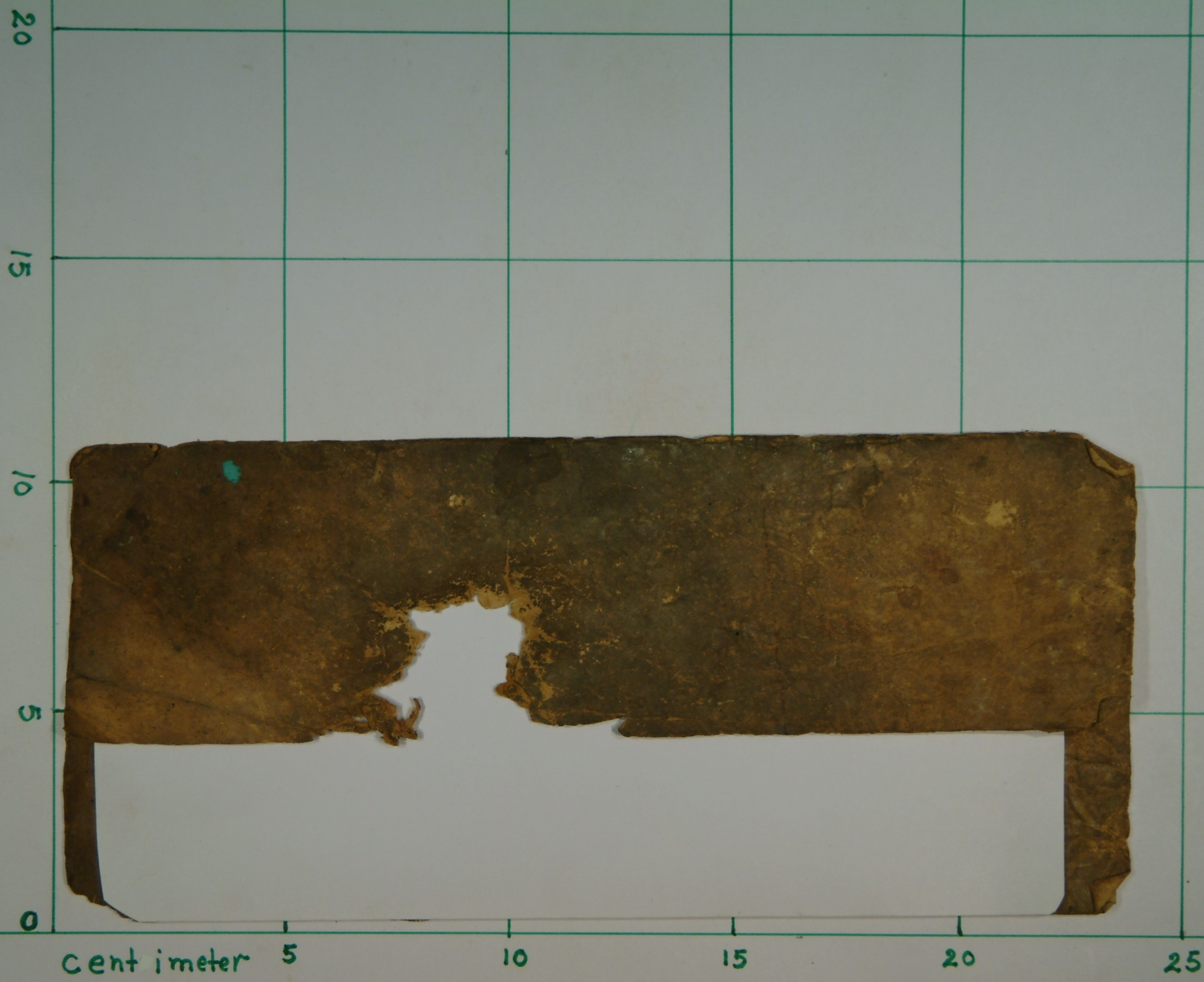
Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / *thyasaphu* /

Condition: *fine* / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :



अग्निमंत्रेन न्यासः॥

सनं नमः॥ पुष्पं नमः॥

तकं पुष्पं धूपदीपफलनैवेद्यं समर्पयेत्॥ गायत्रीमंत्रेन जलेन अ
भिसंस्मृतं॥ ॐ वैश्वानराय विद्महेति॥ पूजनं॥ ॐ अग्नये नमः॥ शक्ति

ॐ अग्नये स्वशक्ति सहिता य इदमा

र्घ्यं पुष्पं हस्तार्घ्यं प्रत्यर्घ्यं च दत्तं जज्ञो यवी

गायत्रीमंत्रेन जलेन अ

भिसंस्मृतं॥ ॐ वैश्वानराय विद्महेति॥ पूजनं॥ ॐ अग्नये नमः॥ शक्ति

हस्ताय नमः॥ शुक्रहस्ताय नमः॥ शुक्लहस्ताय नमः॥ अग्निमंडलाधिप
तये॥ मेषारूढाय॥ सर्वजीवाधिपतये॥ शान्तिकर्त्राय॥ सप्तजिह्वा
य॥ देवाधिदेवाय॥ ॐ नमः॥ ॐ तेजारब्धे॥ अग्नियाम्भानधुसं
तिपूजायाय मुनयः॥ ॐ नमः॥

॥ॐ स्वस्थानक्षेत्रपालेभ्यस्वाहा
 ॥ॐ असंख्याता॥ॐ श्रीसूर्याय॥
 ॐ आकृष्टे॥ नारायणाय॥ॐ वि
 क्षोखीरिण्यदा॥ॐ शदाशिवाय
 ॥ॐ नमः॥ शम्भवाय च॥ॐ गणप
 तेये॥ॐ गणानां वा॥ॐ वरुणा
 या॥ॐ नमीस्येये॥ॐ गरुडक्षेत्रे
 ॥ॐ श्रीक्षेत्रे॥ इन्द्रदेवताये॥ॐ अ
 स्मिअम्बिके॥ स्नानकलशाय॥ॐ
 आजिष्मकलसे॥ महाव्याहृतिम
 वैरादशधोजुहुयात्॥ॐ मनोजु
 तिजुष॥ तायेहेले॥ ॥ भुवेन
 स्पृसेत्॥ इति कलसप्रतिस्था॥
 ततो देशपातने॥ जथाकप्रकाश
 येत्॥ बुसाधं जुलसा॥ देगलस
 देवपूजायाय॥ ध्वजासंकल्प
 याये॥ देगलसध्वजातयके॥
 सेसामाधिलुयके॥ तायअभी
 रलेले॥ अथाग्निनवलिपु

॥ॐ स्वस्थानक्षेत्रपालेभ्यस्वाहा॥